टिप्पणी

321hi29B

29

नमूना

पिछले पाठ में आपने कढ़ाई करने के लिये आवश्यक सामग्री के विषय में पढ़ा। अब आपका अगला चरण क्या होगा? हाँ, उचित डिज़ायन का चुनाव।

कढ़ाई के लिये रंग और नमूने आपकी व्यक्तिगत पसंद पर निर्भर करते हैं। फिर भी ऐसे डिज़ाइन का चुनाव करें जो आयु, लिंग, अवसर और जरूरत के अनुरूप हो। अब उपयुक्त क्या है? आइये इस युवा मां को देखें जो गर्मी के मौसम में शादी में शामिल होने के लिये तैयार है। उसे लाल रंग की साड़ी पहननी है जिसपर भारी कढ़ाई हो रही है। कढाई जिसमें नग, सलमे–सितारे और जरी लगे हैं। क्या आप बता सकते हैं कि उसके चुनाव में गलती कहां है? हाँ, गर्मियों के लिये वह किसी हल्के रंग का चुनाव कर सकती थी। अपने बच्चे की उम्र को देखते हुए वह हल्की, धागों की कढ़ाई वाली साड़ी का चुनाव कर सकती थी जिस पर बार्डर पर ही सजावट होती। जरी, नग, सितारे आदि से बच्चे की कोमल त्वचा पर खरोंच लग सकती है। इसके अतिरिक्त ऐसी सजावटों से साड़ी भारी हो जाती है। निश्चित रूप से गर्मी के मौसम में परेशान होकर ऐसे समारोहों में भाग लेना, और भारी साड़ी पहनकर बच्चे को भी गोदी में लेना बिल्कुल भी आनंददायक नहीं हो सकता। क्या अब यहां उपयुक्त शब्द का अर्थ समझ सकते हैं?

इस पाठ में हम डिज़ाइन और भिन्न–भिन्न कपड़ों पर उनकी छपाई के विषय में पढ़ेंगे।

उद्देश्य

इस पाठ को पढ़ने के बाद आप निम्नलिखित कर पायेंगे–

- 'नमूना' का अर्थ बताना और उसके प्रकारों की व्याख्या करना ;
- मोटिफ, पैटर्न और डिज़ायन के बीच भेद करना ;
- डिज़ाइन में संभावित रूपान्तरण ;
- कढ़ाई के लिये उपयुक्त डिज़ाइन का चयन ;

टिप्पणी

- उपयुक्त विधि द्वारा कपड़े पर डिज़ाइन की छपाई ;
- डिज़ायन को उचित स्थान पर छपाई का निर्धारण।

29.1 नमूना (डिज़ाइन)

डिज़ाइन किसी भी चीज को बनाने से पहले उसको देखने के लिये किया गया रेखांकन या योजना है। दूसरों शब्दों में, यह किसी चीज को तैयार करने की योजना और उसके विस्तृत रेखांकन की कला और प्रक्रिया है। यह कढ़ाई, फर्नीचर, फैशन, कपड़ा या घर बनाने के लिये डिज़ायन हो सकता है।

जहाँ तक कढ़ाई का प्रश्न है हम आसानी से कह सकते हैं कि डिज़ायन एक सजावटी नमूना है, जो उस वस्तु की सुन्दरता बढ़ाने के लिये बनाया गया है जिस पर इसकी कढ़ाई की जायेगी।

डिज़ाइन के प्रकार

डिजाइन के मूलभूत प्रकार हैं :

1. ज्यामितीय डिज़ाइन (Geometrical design)
2. सरलीकृत डिज़ाइन (Generalized design)
3. प्राकृतिक डिज़ाइन (Naturalized design)
4. स्टाइलाइज़्ड या सुरूचिपूर्ण डिज़ाइन (Stylized design)
5. अमूर्त डिज़ाइन (Abstract design)

(1) ज्यामितीय डिज़ाइन

रेखा, वृत, वर्ग, आयताकार, त्रिकोण आदि विभिन्न ज्यामितीय आकारों का प्रयोग करके बनाये गये डिज़ाइनों को ज्यामितीय डिज़ाइन कहते हैं। ज्यामितीय आकारों का प्रयोग करके कई मानव निर्मित वस्तुओं का रेखांकन करना संभव है, जैसे घर या झोंपड़ी। आप बचपन से ही झोंपड़ी का रेखांकन करते आये होंगे। क्या आप इसमें प्रयुक्त ज्यामितीय आकारों की सूची बना सकते हैं? हाँ ये है रेखायें, वृत, आयत आदि।

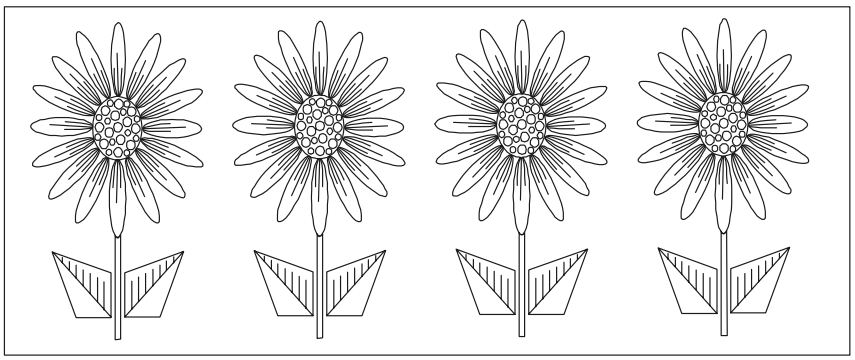

चित्र 29.1 ज्यामितीय डिज़ायन

टिप्पणी

ऊपर दिये गये डिज़ाइनों की रचना विभिन्न ज्यामितीय आकारों का प्रयोग करके की गयी है जिन्हें ज्यामितीय डिज़ाइन कहते हैं।

(2) सरलीकृत डिज़ाइन

इन डिज़ाइनों में हल्की वक्र रेखायें और कुछ बारीकियां होती हैं। नीचे दिये गये डिज़ाइन को देखें। ज्यामितीय डिजाइन और सरलीकृत डिज़ाइन की तुलना करें। सरल रेखायें और वक्र रेखायें जिनमें कुछ बारीकियां होती हैं, मिलकर सरलीकृत डिज़ाइन की रचना करते हैं।

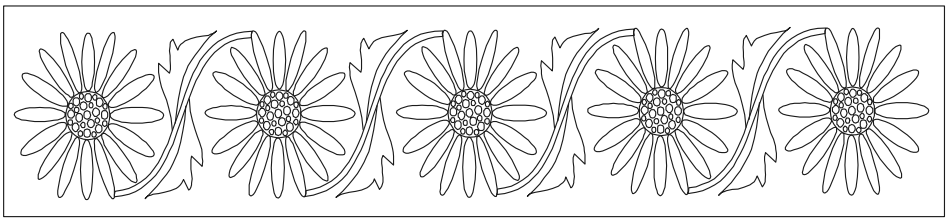

चित्र 29.2 सरलीकृत डिज़ाइन

(3) प्राकृतिक डिज़ाइन

जैसा कि नाम से ही विदित होता है, ऐसे डिज़ाइन प्रकृति से प्रेरणा लिये होते हैं। मानव अपने आस–पास होने वाली प्रत्येक चीज से प्रेरणा लेता है। आपने भिन्न–भिन्न कपड़ों पर कढ़े हुये सुन्दर फूल, पत्तियां, बेल, पक्षियां और जानवर देखें होगें, जो प्राकृतिक डिज़ाइनों के अत्यंत करीब हैं।

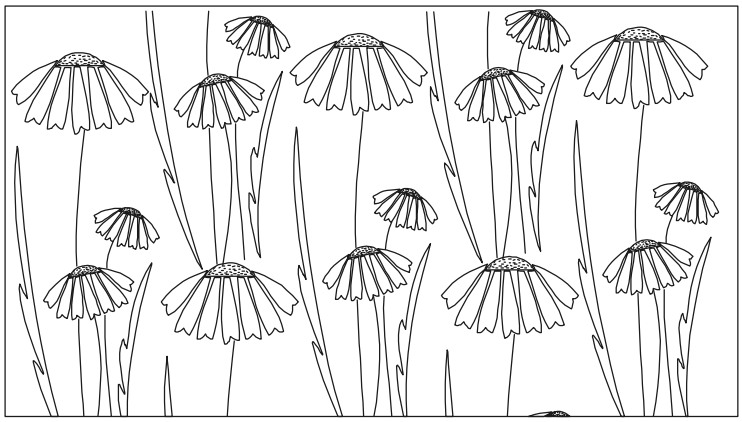

चित्र 29.3 प्राकृतिक डिज़ाइन

टिप्पणी

(4) स्टाइलाइज़्ड या सुरूचिपूर्ण डिजाइन

डिज़ाइनों को और अधिक सुंदर दिखाने के लिये ऐसे डिज़ाइन बनाये जाते हैं। जैसे–जैसे डिज़ाइन अधिक सुंदर और सुरूचिपूर्ण बनता जाता है, डिज़ाइन का प्राकृतिक आकार सुंदर होता जाता है। इस प्रकार जिन डिज़ाइनों में वक्र रेखायें होती हैं और जो प्राकृतिक आकार से अलग व काफी जटिल होते हैं, वे स्टाइलाइज़्ड डिज़ाइन कहलाते हैं।

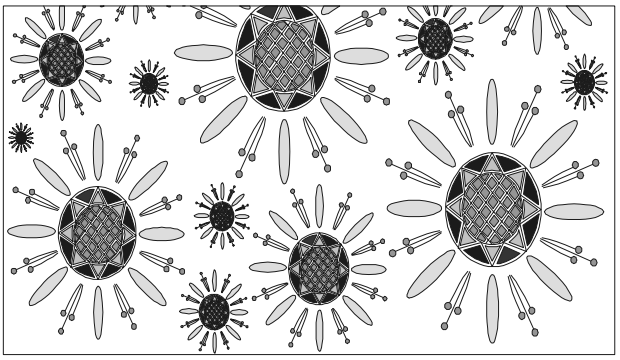

चित्र 29.4 स्टाइलाइज़्ड डिज़ाइन

(5) अमूर्त डिज़ाइन

अमूर्त डिजाइनों का कोई विशिष्ट प्रेरणा स्रोत नहीं होता है। प्राकृतिक और अमूर्त दोनों का प्रेरणा स्रोत एक ही होता है परंतु इनके परिणाम भिन्न–भिन्न होते हैं। पत्ती का प्राकृतिक डिज़ाइन पत्ती जैसा ही दिखेगा। परंतु उसी पत्ती के अमूर्त डिज़ाइन को केवल इसके टेक्सचर, नसों, नमूने या रंगों का प्रयोग करके एक आर्कषक डिज़ाइन बनाया जा सकता है। हमारी दैनिक वस्तुओं को जब भिन्न–भिन्न कोणों से देखा जाये तो वे अमूर्त डिज़ाइन का सुंदर स्रोत बन सकती हैं।

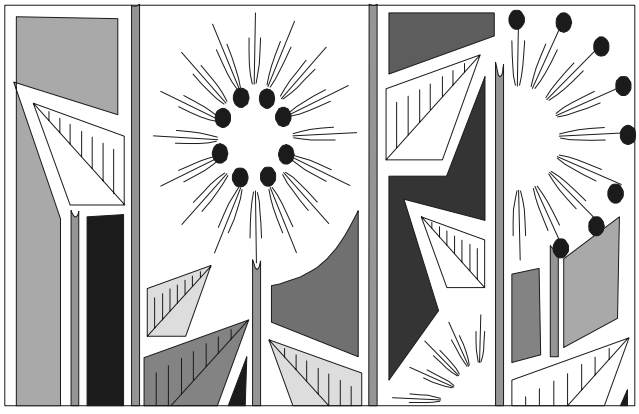

चित्र 29.5 अमूर्त डिज़ाइन

निम्न रेखांकन आपको अलग–अलग प्रकार के पांचों डिज़ाइनों को पहचानने में सहायता

टिप्पणी

करेगा। इसके अतिरिक्त इससे आपको स्पष्ट रूप से यह जानकारी भी मिलेगी कि एक प्रकार के डिज़ाइन को उसके अन्य प्रकारों में किस प्रकार परिवर्तित किया जा सकता है।

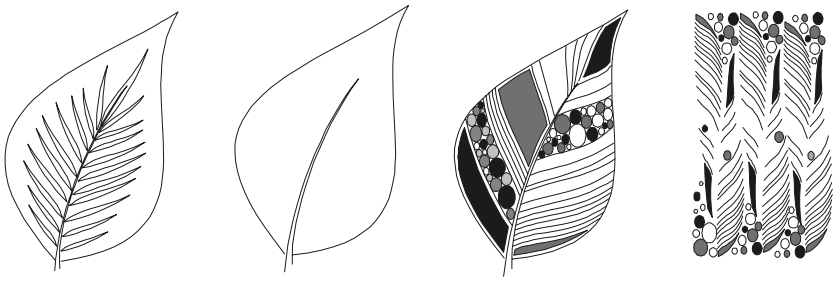

चित्र 29.6 विभिन्न प्रकार के डिजाइनों में पत्ती

क्रियाकलाप 29.1 एक डिज़ाइन पुस्तिका बनाइये। एक प्रयोग पुस्तिका लेकर उसमें ऊपर वर्णित सभी प्रकार के विभिन्न डिज़ाइनों को एकत्र करके अलग–अलग पृष्टों में लगाइये। उदाहरण के लिये बगीचे में जाकर उन आकारों को खोजिये, जिनसे आप स्वयं के नये डिज़ाइन विकसित कर सकते हैं जैसे पत्ती, फूल, पंख, तितली इत्यादि। आप कौड़ियां, पत्थर, सूखी लकड़ियां आदि दिलचस्प वस्तुओं को भी एकत्र कर सकते हैं। दबाकर सुखाई गयी पत्तियां, फूल और पंख आदि भी आप की डिज़ाइन पुस्तिका का हिस्सा हो सकते हैं। प्रत्येक के कम से कम तीन चित्र बनाइये।

नये विचारों का सृजन करते समय यह पुस्तिका अत्यंत सहायक होगी।

संकेतः

1. पत्रिकाओं और पर्चों में कई प्रकार के रेखांकन होते हैं, जिन्हें हम प्रयोग कर सकते हैं। कुछ को ढूंढ कर काटिये और उन्हें चिपकाइये। आप किस प्रकार इनको प्रयोग कर सकते हैं, सुझाव दीजिये। इन्हें अपनी डिज़ाइन पुस्तिका में स्थान दीजिये।

2. अखबारों की सुर्खियों/हेडलाइन से शब्द काटकर अपनी टीशर्ट के लिये लोगो बनाइये।

3. कार्टून, जानवर और खिलौनों के चित्र ढूंढकर उनके चित्र बनाइये। इन्हें भी अपनी डिज़ाइन पुस्तिका में लगाइये।

क्रियाकलाप 29.2: नीचे एक पंख की, उसके प्राकृतिक आकार में छवि बनाइये। इससे प्रेरणा लेकर भिन्न–भिन्न प्रकार के डिज़ाइन बनाइये।

प्रेरणा **विकसित डिज़ाइन**

प्राकृतिक **सरलीकृत**

सुरूचिपूर्ण **अमूर्त**

चित्र 29.7

इन सभी डिज़ाइनों को अपनी डिज़ाइन पुस्तिका में लगाइये।

29.2 मोटिफ, नमूना और डिज़ाइन

क्या आप ट्रेन, बिल्ली या सितारों का चित्र एक ही तरह से बना सकते हैं? संभवतया नहीं। क्या आप सोचते हैं कि आप इन तीनों नमूनों को एक ही कपड़े पर लगा सकते हैं? कपड़ों की एक सूची बनाइये जिस पर ऐसे मोटिफ काढ़े जा सकते हैं।

अक्सर डिज़ाइन, मोटिफ और पैटर्न शब्द एक दूसरे के लिये प्रयोग किया जाता है। आइये देखने की कोशिश करें कि इनका क्या अर्थ है। आप पहले ही डिज़ाइन शब्द का अर्थ जानते हैं। आइये मोटिफ और पैटर्न का अर्थ भी जानें।

डिज़ाइन मोटिफ से प्रारंभ होता है। जब मोटिफ किसी सतह पर एक विशेष अन्तराल के बाद दोहराया जाता है तब इसे पैटर्न कहा जाता है। इस पैटर्न के दोहराव से डिज़ायन बनता है। जब मोटिफ या पैटर्न को विभिन्न डिज़ायनों के लिये दोहराया जाता है तब कुछ विशेष सिद्धान्तों का पालन किया जाता है।

नीचे दिये गये रेखांकन को देखने से यह समझने में सहायता मिलेगी कि किस प्रकार एक मोटिफ, पैटर्न बनाने के लिये और पैटर्न को डिज़ाइन बनाने के लिये प्रयोग किया जा सकता है।

चित्र 29.8 मोटिफ, पैटर्न और डिज़ाइन

पाठगत प्रश्न 29.1

1. क्या आपको शब्दकोष देखना आता है? निम्न शब्दों के उपयुक्त अर्थ कढ़ाई के सन्दर्भ में ढूंढें।

   (1) ज्यामितीय, (2) प्राकृतिक सदृश, (3) सुरूचिपूर्ण, (4) अमूर्त

   निम्न डिज़ाइनों को ज्यामितीय, प्रकृति सदृश, सुरूचिपूर्ण और अमूर्त में वर्गीकृत करें।

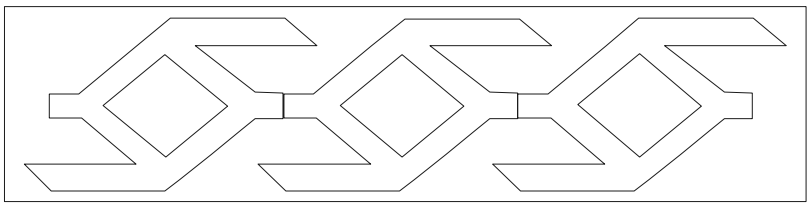

चित्र 29.9

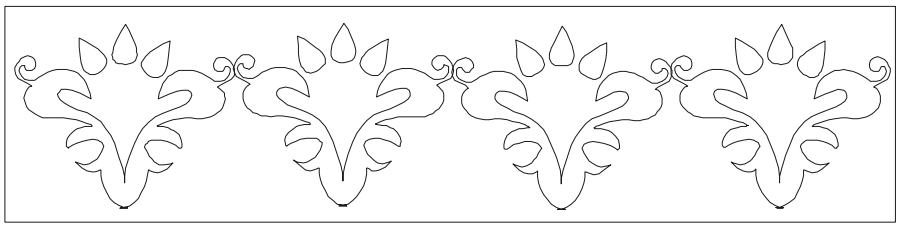

चित्र 29.10

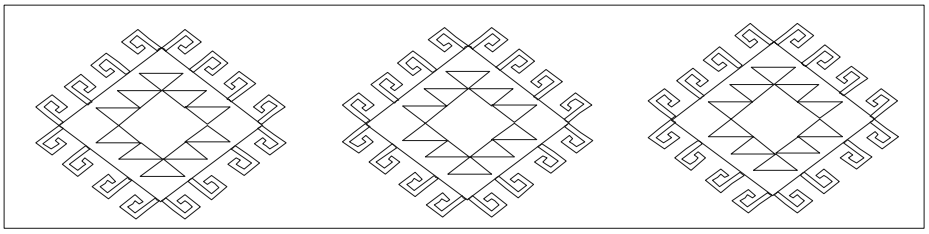

टिप्पणी

चित्र 29.11

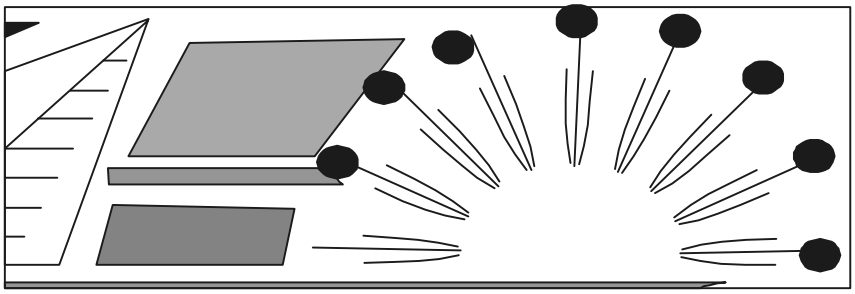

चित्र 29.12

29.3 दिये गये डिज़ाइन को बढ़ाना और घटाना

कई बार डिज़ाइन को, आवश्यकतानुसार बड़ा या छोटा करना पड़ सकता है। इसे समझने के लिये, आइये, इस प्रश्न का उत्तर ढूंढ़ें। यदि आपको कुशन कवर और दीवान कवर को एक ही मोटिफ से सजाना हो तब आप क्या करेंगे, यदि वह मोटिफ फूल हो और ज्यादा बड़ा फूल हो तो कुशन कवर पर काफी बड़ा लगेगा। तब आप क्या करेंगे? आप बड़े फूल को दीवान कवर पर लगा सकते हैं और उसी फूल के आकार को छोटा करके आप कुशन कवर पर प्रयोग कर सकते हैं। इस प्रकार डिज़ाइन के आकार को वस्तु के आकार के अनुसार उपयुक्त बनाया जा सकता है।

किसी भी डिज़ाइन को छोटा-बड़ा करने का उद्देश्य एक ही मोटिफ को छोटा या बड़ा करके विभिन्न आकार की वस्तुओं पर लगाने योग्य बनाना है। यह काफी आसान सा काम लगता है लेकिन यदि मोटिफ जटिल/कठिन हो तब आप क्या करेंगे? तब आपको इसे छोटा या बड़ा करने की विधि मालूम होनी चाहिये।

आइये इस विधि को चरणबद्ध तरीके से सीखने का प्रयास करें।

चरण 1. अपनी कशीदाकारी के लिये एक अच्छा सा डिजाइन ढूंढे।

चरण 2. इसे ट्रेसिंग पेपर पर ट्रेस करें।

चरण 3. ट्रेसिंग को ग्राफ पेपर पर ट्रेस करने के लिये कार्बन का प्रयोग करें।

चरण 4. छोटे वर्गों का मार्गदर्शन लेकर, इस रेखांकन को बड़े वर्गों पर बनाइये।

टिप्पणी

यह काफी सावधानी से किया जाना चाहिये। वर्गों पर बनी वाह्य रेखा का अनुसरण करके ही चित्र का अनुपात सही रहता है। अर्थात प्रत्येक हिस्सा उतनी ही मात्रा में चौड़ाई और लम्बाई में बढ़ाया जाता है। ऐसा इसलिये होता है क्योंकि वर्ग एक ही आकृति के होते हैं परंतु परिमाण या आकार में बड़े होते हैं।

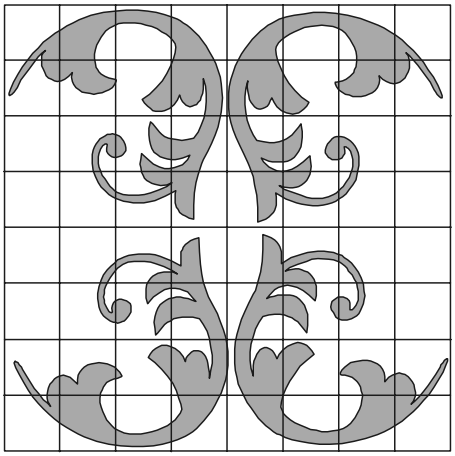

चित्रS29.13 डिज़ायन को बड़ा या छोटा करना

क्रियाकलाप 29.3

दिये गये ग्राफ के अनुसार दिये गये मोटिफ को छोटा और बड़ा करें।

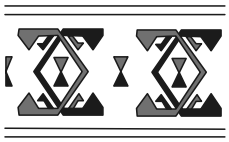

छोटा करें →

चित्र 29.14: मोटिफ

बड़ा करें →

चित्र 29.15: मोटिफ

29.4 कढ़ाई के डिज़ाइन

किसी भी डिज़ाइन का चुनाव करते समय हमें निम्न बिंदुओं को ध्यान में रखना चाहिये:–

– कढ़ाई के डिज़ायन को अपने उद्देश्य की पूर्ति करनी चाहिये। उदाहरण के लिये यदि हम एक कार्टून को बच्चों के कपड़ों पर प्रयोग करेंगे, तो यह पहनने वाले के लिये उपयुक्त डिज़ाइन होगा।

– कढ़ाई का डिज़ाइन कपड़े की आकृति और आकार/परिमाण के अनुरूप होना चाहिये।

– कपड़े के टेक्सचर के अनुरूप ही डिज़ाइन का चुनाव करें। उदाहरण के लिये हल्की कढ़ाई शिफॉन जैसे महीन कपड़ों के लिये उपयुक्त होगी।

टिप्पणी

- अवसर के अनुसार डिज़ायन बदलते हैं। भारी कढ़ाई वाले वस्त्र विवाह समारोह के लिये उपयुक्त हैं। लेकिन यही वस्त्र कार्यालय में अनुपयुक्त लगेंगे।
- पहनने वाले के लिंग से डिज़ाइन का चुनाव प्रभावित होता है। स्त्रियों के कपड़ों के डिज़ाइन पुरूषों के वस्त्रों के लिये सर्वथा अनुपयुक्त लगेंगे।
- पहनने वाले की आयु को ध्यान में रखकर ही डिज़ाइन का चुनाव करें। निश्चित रूप से युवतियों के वस्त्रों पर जो डिज़ाइन अच्छे लगेंगे, वे दादी माँ के वस्त्रों पर अच्छे नहीं प्रतीत होंगे।
- कपड़े की बनावट और रंग संयोजन को देखते हुये कढ़ाई के डिज़ाइन को कपड़े की पृष्ठभूमि के अनुसार होना चाहिये।
- विशेष महत्त्व वाले भागों जैसे कॉलर, जेब, गला आदि को कढ़ाई करके सजाएं।
- सावधानी बरतें कि आपका वस्त्र आरामदेह बना रहे। कशीदाकारी किये हुये वस्त्रों को इतना भारी नहीं होना चाहिये कि उन्हें पहनने में दिक्कत आये।

संक्षेप में, कढ़ाई के डिज़ाइन का चुनाव करते समय आपको निम्नलिखित कारकों को ध्यान में रखना चाहिये।

- उद्देश्य
- वस्त्र की आकृति व आकार/शेप और साइज
- अवसर
- पहनने वाले का लिंग
- पहनने वाले की आयु
- आराम
- विशेष महत्त्व वाले बिंदु

29.5 कढ़ाई किये जाने वाले वस्त्र के लिये योजना बनाना

जब भी आप किसी वस्त्र को कढ़ाई करने की योजना बना रहे हों आपको कई बातों का ध्यान रखना पड़ता है। यदि आप स्वयं से कुछ साधारण प्रश्न पूछें तो आपका कार्य सरल हो जायेगा। ये प्रश्न हैं –

- इसे कौन पहनेगा?
- किस काम के लिये पहना जायेगा?
- कहाँ पहना जायेगा?
- कब पहना जायेगा?
- कैसे पहना जायेगा?

इन प्रश्नों के उत्तर से आपको जानकारी मिल जायेगी कि कढ़ाई और पहने जाने वाले वस्त्र को किस प्रकार की टूट फूट का सामना करना पड़ेगा। इससे आपको यह तय करने में मदद मिलेगी कि उस वस्त्र पर किस प्रकार की कढ़ाई की जायेगी और किस प्रकार का कपड़ा उस कार्य के लिये उपयुक्त रहेगा।

टिप्पणी

नमूना

उदाहरण के लिये यदि आप पर्यावरण समिति के सदस्य हैं और आपको एक पर्यावरण–अनुकूल शॉपिंग बैग पर कढ़ाई करनी है। आइये उस पर्यावरण अनुकूल बैग को डिज़ाइन करने से पहले ऊपर दिये हुये प्रश्नों के उत्तर ढूंढने का प्रयास करें।

	प्रश्न	क्या झेलना होगा	गुण	प्रस्तावित कपड़े/वस्त्र
1.	**इसे कौन प्रयोग करेगा?**	अलग अलग आयु वर्ग के लोगों द्वारा निरन्तर प्रयोग।	प्रयोगकर्ता की उम्र और रूचि के अनुसार स्टाइल, आकार	चमकीले या गहरे रंग वाला कपड़ा और कढ़ाई।
2.	**किस काम के लिये प्रयोग किया जायेगा?**	सामान ले जाने के लिये।	हल्का परंतु मजबूत, जल प्रतिरोधी, पक्के रंग वाला, लचीला	मजबूत हैंडल जैसे लकड़ी के या मोटा और मुलायम पट्टा।
3.	**कहाँ प्रयोग किया जायेगा?**	बाजार में, धूप और बारिश के थपेड़ों में।	कपड़ा और कढ़ाई धुलाई योग्य होनी चाहिये, कपड़े को जल अवशोषक नहीं होना चाहिये और न इसे भीगने के कारण खराब होना चाहिये।	कैनवास, जूट आदि।
4.	**कब प्रयोग किया जायेगा?**	प्रतिदिन तेज धूप में, बिना रंग फीका पड़े। जल प्रतिरोधी और लचीला होना चाहिये।	तेज धूप का सामना करने योग्य।	सूती केसमेन्ट, खादी, दुसूती आदि (मोटा) और मजबूत कपड़ा। सूती और टेरीकॉट के कढ़ाई के धागे।
5.	**कैसे प्रयोग किया जायेगा?**	साधारण या भारी कार्यों के लिये।	थैले का उपयुक्त आकार और कंधे का पट्टा चौड़ा हो।	हर आयु वर्ग के लिये उपयुक्त आकार और इसी के अनुपात की कढ़ाई सूती या दुसूती, जूट और मजबूत धागे।

टिप्पणी

इसी प्रकार किसी वस्त्र की कढ़ाई आरम्भ करने से पहले भी इन प्रश्नों को पूछें।

क्रियाकलाप 29.4: विवाह समारोह में पहनने के लिये छोटी बच्ची की (1) फ्रॉक या (2) लहंगे पर कढ़ाई करने के लिये निम्न तालिका को भरिये:

बच्ची की फ्रॉक

प्रश्न	इसे किन चीजों का सामना करना पड़ेगा।	गुण	प्रस्तावित कपड़े
1. इसे कौन प्रयोग करेगा?			
2. किस काम के लिये प्रयोग किया जायेगा?			
3. कहाँ प्रयोग किया जायेगा?			
4. कब प्रयोग किया जायेगा?			
5. कैसे प्रयोग किया जायेगा?			

विवाह के लिये लहंगा

प्रश्न	इसे किन चीजों का सामना करना पड़ेगा।	जरूरी गुण	प्रस्तावित कपड़े
1. इसे कौन प्रयोग करेगा?			
2. किस काम के लिये प्रयोग किया जायेगा?			
3. कहाँ प्रयोग किया जायेगा?			
4. कब प्रयोग किया जायेगा?			
5. कैसे प्रयोग किया जायेगा?			

टिप्पणी

कढ़ाई के लिये सबसे महत्त्वपूर्ण है कढ़ाई किया जाने वाला डिज़ाइन। आप अपने स्वयं के डिज़ाइन भी बना सकते हैं। कई बार आपको कोई डिज़ाइन इतना पसंद आता है कि आप उसे काढ़ना चाहते हैं। कपड़े पर डिज़ाइन उतारने के कई तरीके हैं। आप सीख ही चुके हैं कि डिज़ाइन को उसी आकार में बनाया जा सकता है। इसे जरूरत के अनुसार छोटा या बड़ा भी किया जा सकता है। आइये अब कपड़े पर डिज़ाइन को छापने की भिन्न–भिन्न तकनीकों के विषय में जानें।

29.6 डिज़ाइन छापने की विधियां

डिज़ाइन छापने की छः मुख्य विधियां हैं।

1. सीधी विधि
2. कार्बन पेपर के प्रयोग द्वारा
3. बैक ट्रेसिंग
4. बटर पेपर के प्रयोग द्वारा
5. कांच की प्लेट और प्रकाश द्वारा
6. सांचों का प्रयोग करके

आइये प्रत्येक विधि के विषय में एक–एक करके जानें।

1. सीधी विधि

आपमें से जो लोग अच्छी कलाकारी/रेखांकन जानते हैं वे पेंसिल की सहायता से सीधे ही कपड़े पर डिजाइन बना सकते हैं। सीधी विधि का प्रयोग पारदर्शी और महीन, पतले कपड़े जैसे लॉन, ऑरगॅन्डी, नायलॉन, जॉर्जट या फुल वॉयल पर सरलता से किया जा सकता है। कपड़े को फ्रेम/छल्ले में खींचकर लगाने के यह काम सरलता से किया जा सकता है। कपड़े को फ्रेम में खींचकर लगाने के बाद डिज़ाइन को पेंसिल की सहायता से कपड़े पर बना लें।

2. कार्बन पेपर का प्रयोग

लाल, हरा, पीला, नीला और सफेद कार्बन कागज बाजार में उपलब्ध होता है। आप कैसे कार्बन से डिज़ाइन छापेंगे, इसकी जानकारी नीचे दी गयी है।

(i) कपड़े को चिकनी परंतु कठोर सतह पर रखें और टेप की सहायता से चिपका लें।

(ii) सावधानीपूर्वक कार्बन वाली सतह नीचे की ओर रखकर कार्बन पेपर को कपड़े और डिज़ाइन के बीच में रखें। टेप की सहायता से चिपका लें।

(iii) अब डिज़ाइन को अच्छी तरह से रखकर टेप से चिपका लें।

टिप्पणी

(iv) इस डिज़ाइन को सूखे बॉल पॉइन्ट पेन या पेंसिल से छाप लें। डिज़ाइन स्पष्ट रूप से छापने के लिये आवश्यक दबाब डालें।

(v) गहरे रंग के कपड़ों पर छपाई के लिये सफेद या पीले रंग, के कार्बन का प्रयोग करें। नीले कार्बन को हल्के रंग के कपड़ों या सफेद कपड़े के लिये प्रयोग करें।

3. बैक ट्रेसिंग

(i) डिज़ाइन को लेकर इसे ट्रेसिंग पेपर पर रेखांकित कर लें।

(ii) डिज़ाइन की पिछली ओर गहरी पेंसिल (2A, 4B) लेकर पूरे डिज़ाइन की रेखाओं के ऊपर फेर लें।

(iii) रेखाओं को काफी गहरी/स्पष्ट होना चाहिये ताकि जब आप डिज़ाइन के पिछले भाग को छुएं तब कार्बन को आपकी अंगुलियों पर लग जाना चाहिये।

(iv) ट्रेसिंग को कपड़े पर टेप की सहायता से लगा लें ताकि पेंसिल से बनाया गया डिज़ाइन का पिछला हिस्सा कपड़े के सामने रहे।

(v) सभी रेखाओं को पेंसिल के पिछले भाग का प्रयोग करते हुये छाप लें।

ज्यामितीय या सममित (किसी भी विभाजन रेखा के दोनों ओर बिल्कुल एक से डिज़ाइन वाला) डिज़ाइन के लिये इसके एक चौथाई भाग को ट्रेसिंग पेपर पर छापा जा सकता है। इसके बाद इस पन्ने को आड़ा कर के आधा मोड़ लें और डिज़ाइन को ट्रेसिंग से पूरा कर लें। यह अत्यन्त सरल विधि है और इसके लिये किसी महंगे उपकरण की आवश्यकता नहीं होती।

4. बटर पेपर के प्रयोग द्वारा

इसे छिद्रयुक्त नमूना भी कहते हैं। यदि आप इस डिज़ाइन को सावधानीपूर्वक संभाल कर रखें तो यह आपके लिये एक स्थायी डिज़ाइन हो सकता है।

(i) डिज़ाइन को बटर पेपर पर छाप लें। यह बाजार में आसानी से उपलब्ध होता है।

(ii) डिज़ाइन की रेखाओं के ऊपर तेज पिन या सुई की सहायता से पास–पास छेद बना लें। आप इन रेखाओं पर बिना धागे वाली सिलाई मशीन से भी छेद बना सकते हैं।

(iii) कपड़े पर जहां डिज़ाइन बनाना हो उस स्थान पर साधारण पिनों की सहायता से ट्रेसिंग को कपड़े पर लगा लें।

(iv) मिट्टी के तेल में थोड़ी मात्रा में नील मिला लें। इस मिश्रण को बहुत पतला न बनाएं।

(v) इस मिश्रण में रूई के एक गोले को डुबोकर इसे डिज़ाइन के छिद्रों पर फिरायें।

(vi) ट्रेसिंग पेपर को सावधानीपूर्वक हटा लें और कपड़े पर लगे अतिरिक्त पाउडर को फूंक मार कर उड़ा लें।

5. कांच की प्लेट और प्रकाश का प्रयोग करके

(i) दो कुर्सियों के हत्थों पर एक साधारण कांच के टुकड़े को रखें। कांच के नीचे एक जलता हुआ बल्ब रखें।

(ii) डिज़ाइन को एक पतले कागज पर छापें।

(iii) अब कागज को कांच पर रखें। कपड़े को कागज के ऊपर रखकर बाह्य रेखाओं को कठोर पेंसिल की सहायता से बना लें।

6. सांचे का प्रयोग करके

सांचा गत्ते से काटा हुआ एक आकार होता है। इस सांचे को आप तब प्रयोग कर सकते हैं जब आप एक सरल डिज़ाइन की कपड़े पर कई बार छपाई करते हैं।

(i) मोटे कागज का एक टुकड़ा लें।

(ii) डिज़ाइन के आकार को सावधानीपूर्वक इस मोटे कागज पर बना लें।

(iii) तेज धार वाले ब्लेड की सहायता से नमूने को काट लें।

(iv) अब आपका सांचा तैयार है।

(v) कपड़े पर इस सांचे को भली भाँति, सही स्थिति में रखें और टेप से चिपका लें।

(vi) बाहय रेखाओं को पेंसिल से खींच लें। अब पहले टेप और बाद में सांचे को हटा लें।

छपाई करने के लिये इन सभी विधियों का प्रयोग करें। धीरे धीरे अभ्यास के साथ आप प्रत्येक प्रकार के डिज़ाइन को कपड़े पर छापने के लिये उपयुक्त विधि का चुनाव करने में सक्षम हो जाएंगे। फिर भी आपका उद्देश्य सफाई के साथ कार्य करना होना चाहिये। याद रखें आपके कशीदे वाले कपड़े पर पड़े धब्बे पूरा खेल बिगाड़ सकते हैं।

29.7 डिज़ाइन स्थापन

आपने डिज़ाइन और उसके प्रकारों के विषय में पढ़ा। आइये अब उन्हें सुंदरतम कार्य की रचना के लिये प्रयोग करने के विषय में पढ़ें। अब आप डिज़ाइन स्थापन के विभिन्न तरीकों के विषय में जानेंगे, ताकि डिज़ाइन सुंदर लगे।

विभिन्न प्रकार के डिज़ाइन स्थापन के विषय में जानने से पहले आइये पहला कदम

टिप्पणी

बढ़ायें। जिस कपड़े पर कढ़ाई करनी हो उसे लेकर नापें। अब चॉक की सहायता से कपड़े को बराबर वर्गों में बांटे।

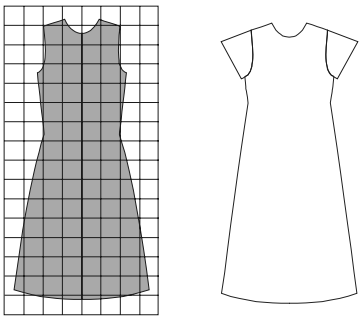

चित्रS29.16 चॉक से कपड़े पर ग्राफ बनाना

अब हम मोटिफ को रखने के विषय में निम्न अलग–अलग तरीकों से जानेंगे।

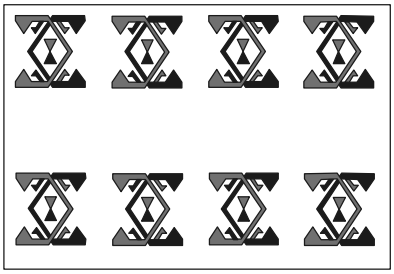

चित्र 29.17 समानांतर स्थापन

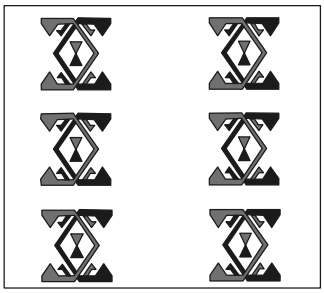

चित्र 29.18 क्षैतिज स्थापन

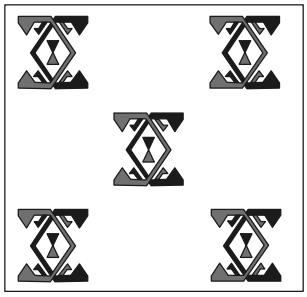

चित्र 29.19 हाफ ड्रॉप स्थापन

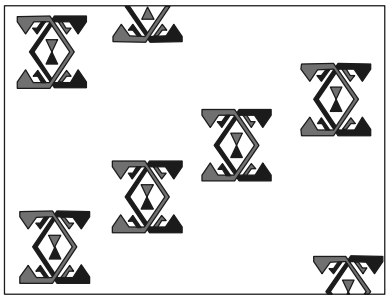

चित्र 29.20 तिरछा स्थापन

चित्र 29.21 बॉर्डर स्थापन

क्रियाकलाप 29.5

(a) स्थानीय बाजार/दर्जी के पास जाइये और छपाई वाले कपड़ों के नमूने एकत्र करिये, जिनमें डिज़ाइन के अलग–अलग प्लेसमेंट या स्थापन हो और उन्हें अपनी डिज़ाइन पुस्तिका में लगाइये।

(b) अपनी पसंद का कोई मोटिफ दी गयी फ्रॉक पर लगायें। इसके नीचे स्थापन का नाम लिखें। उसे अपनी डिज़ाइन पुस्तिका में लगायें।

पाठगत प्रश्न 29.2

1. नीचे दिये गये अक्षरों को व्यवस्थित करके लगायें ताकि उनसे डिज़ाइन छापने की विभिन्न विधियों का ब्यौरा मिल सके –

   (a) चासां (1 शब्द) ....

   (b) नकार्ब रपेप (2 शब्द) ....

   (c) गसिंट्रेकबै (2 शब्द) ....

   (d) धीसी धिवि (2 शब्द) ....

पाठान्त प्रश्न

1. निम्न स्थापनों की पहचान करिये।
2. आपको अपनी तीन साल की भतीजी के लिये फ्रॉक पर कढ़ाई करनी है। इसके लिये डिज़ाइन के चुनाव के लिये ध्यान में रखे जाने वाले कारकों की सूची बनायें।
3. कागज से कपड़े पर डिज़ाइन छापने की किन्हीं दो विधियों का वर्णन करें।
4. आपने चादर और तकिये के गिलाफ पर काढ़ने के लिये तितली का डिज़ाइन चुना है। उस विधि का वर्णन कीजिये, जिससे एक ही मोटिफ दोनों पर प्रयोग किया जा सके। इसे ग्राफ पेपर का प्रयोग करके दिखाइये।
5. अपने पिताजी के कुर्ते के लिये मोटिफ का चुनाव कीजिये और किन्हीं दो विधियों के विषय में बताइये, जिससे इन्हें कुर्ते पर छापा जा सके।

टिप्पणी

आपने क्या सीखा

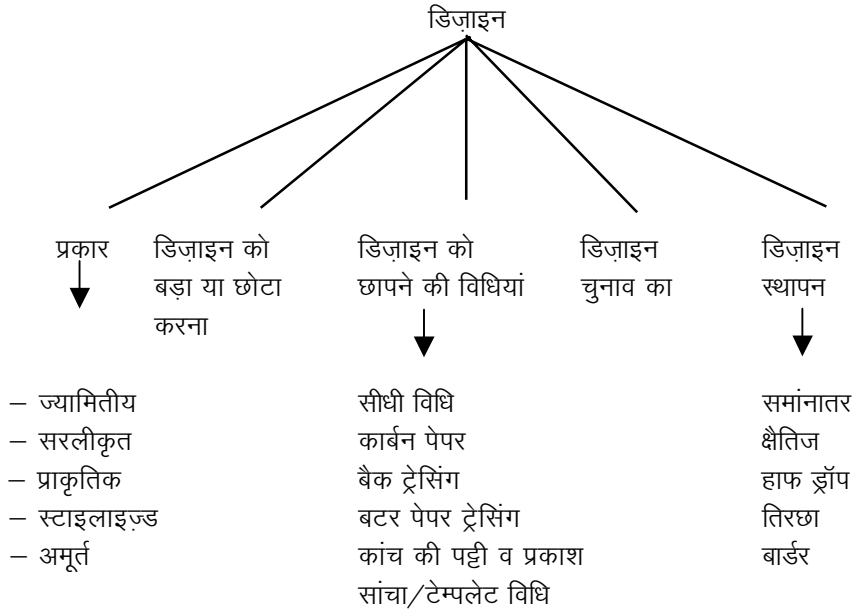

पाठगत प्रश्नों के उत्तर

29.1 (i), ज्यामितीय, (ii), प्राकृतिक (iii), स्टाइलाइज़्ड (iv) अमूर्त

29.2 1. (a) टेम्पलेट या सांचा

(b) बैक ट्रेसिंग

(c) कार्बन पेपर

(d) सीधी विधि